संस्कृत

निम्नलिखित श्लोंको को याद करके लिखिए:

1. कृपया यस्य सिध्यन्ति, सत्कार्याणि सुखानि न।
   तम् नमामि सदा देवम्, सद्ज्ञानस्य प्रदायकम्।।

अर्थः जिसकी कृपा से सभी कार्य और सुख पूर्ण होते है। श्रेष्ठ ज्ञान को देने वाले उस ईश्वर को हमेशा नमस्कार करता हूं।

2. भूमेः गरीयसी माता, स्वर्गात् उच्चतरः पिता।
   जननी जन्मभूमिः च, स्वर्गात् अपि गरीयसी।।

अर्थ : भूमि से श्रेष्ठ माता है, स्वर्ग से श्रेष्ठ पिता है। जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ है।

3. उद्योगे नास्ति दारिद्रयं, जपतो नास्ति पातकम्।
   मौनेन कलहो नास्ति, नास्ति जागरिते भयम्।।

अर्थः परिश्रम में गरीबी नहीं है, जप से पाप नहीं है। मौन रहने से झगड़ा नहीं है और जागे हुये को डर नहीं है।

4. नास्ति लोभसमो व्याधिः नास्ति क्रोधसमो रिपुः।
   नास्ति दारिद्रवद् दुखं नास्ति ज्ञानात् परं सुखम्।।

अर्थ : लालच के समान रोग नहीं है, क्रोध के समान शत्रु नहीं है, गरीबी के समान दुख नहीं है और ज्ञान से बढ़कर सुख नहीं है।